Total Pages : 3 Roll No. .....

BASL-201

पद्य गद्य एवं व्याकरण

कला में स्नातक (बीए- 12/16/17)

द्वितीय वर्ष, सत्र 2019

Time : 3 Hours] **Max. Marks : 80**

नोट : यह प्रश्नपत्र अस्सी (80) अंकों का है जो दो (02) खण्डों क तथा ख में विभाजित है। शिक्षार्थियों को प्रत्येक खण्ड में दिए गए विस्तृत निर्देशों के अनुसार ही प्रश्नों को हल करना है।

खण्ड-क

(दीर्घ उत्तरों वाले प्रश्न)

नोट : खण्ड 'क' में पाँच (05) दीर्घ उत्तरों वाले प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए पन्द्रह (15) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल तीन (03) प्रश्नों के उत्तर देने हैं। (5×15=45)

1. महाकाव्य के रूप में किरातार्जुनीयम की समीक्षा कीजिए।

2. मित्रता एवं धार्मिकता की समीक्षा कीजिए।

3. वाणभट्ट के व्यक्तित्त्व का वर्णन कीजिए।

4. कादम्बरी कथा का विशेष वर्णन कीजिए।

5. गुरूपदेश के महत्त्व का विशेष वर्णन कीजिए।

खण्ड-ख

(लघु उत्तरों वाले प्रश्न)

नोट : खण्ड 'ख' में आठ (08) लघु उत्तरों वाले प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए सात (07) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल पाँच (05) प्रश्नों के उत्तर देने हैं। (5×7=35)

1. दुर्योधन की नीति का वर्णन कीजिए।

2. युधिष्ठिर के पूर्व जीवन का वर्णन कीजिए।

3. भुकनासोपदेश का परिचय दीजिए।

4. तुल्यास्य प्रयत्नं सवर्णम् सूत्र की विस्तारपूर्वक व्याख्या कीजिए।

5. निम्नलिखित सूत्रों की सोदाहरण सहित व्याख्या कीजिए:

   (क) इको यणचि।

   (ख) आद्गुणः।

   (ग) वृद्धिरादैच।

6. अचोऽन्त्योदिटि सोदाहरण सहित व्याख्या कीजिए।

7. अकः सवर्णे दीर्घः की सोदाहरण व्याख्या कीजिए।

8. नहि प्रियं प्रवक्तुमिच्छन्तिमृषा हितैषिणः इस सूक्ति की व्याख्या कीजिए।